PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Rashtriya Sahara, Delhi
Tuesday 27th January 2015, Page: 13
Width: 18.63 cms, Height: 14.99 cms, a4r, Ref: pmin.2015-01-27.18.113

भारतीय सीईओ ने मोदी और ओबामा से कही मन की बात

उद्योग प्रमुखों की बैठक में ओबामा-मोदी से रूबरू हुए कई कंपनियों के प्रतिनिधि

नई दिल्ली (एसएनबी)। भारत व अमेरिका के दिग्गज उद्यमियों की सोमवार को यहां हुई बैठक में अमेरिकी प्रतिबंधों को तीसरे देश की कंपनी पर लागू करने, कारोबार का वातावरण आसान बनाने और बौद्धिक संपदा अधिकार संरक्षण जैसे दर्जनों विषयों से जुड़े मुद्दे उठाए गए। इस बैठक को अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संबोधित किया।

भारत अमेरिका सीईओ फोरम की इस बैठक में भारत के उद्योगपतियों ने दोनों देशों से जुड़े मुद्दों को आपस में साझा किया और सभी मुद्दों को उठाने के बजाय केवल प्रासंगिक क्षेत्रों की बात की। इस बैठक में बाद में ओबामा व मोदी ने अपनी बात रखी। इसमें भारतीय सीईओ को केवल 18 मिनट का समय दिया गया था। चर्चा को देखने वाले सूत्रों ने बताया कि पांच मुख्य कार्यपालकों (सीईओ) ने दो-दो मिनट बोला तथा उसके बाद खुली परिचर्चा हुई जिसमें अन्य सीईओ को अपनी राय रखने का मौका मिला।

एचडीएफसी के दीपक पारेख ने कारोबार करने में द्विपक्षीय सुगमता की बात की तो भारती एंटरप्राइजेज के सुनील मित्तल ने इलेक्ट्रानिक संकुल विकास और स्मार्ट शहर पर विचार रखे। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कृषि, नवोन्मेष व कौशल विकास, बायोकान की चेयरमैन किरण मजूमदार शा ने दवा उद्योग व बौद्धिक संपदा (आईपी) से जुड़े मुद्दों को उठाया। सूत्रों के अनुसार पारेख ने वीजा प्रतिबंधों पर भी बात की।

तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक दिनेश सर्राफ ने भारत-अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) नहीं होने का उल्लेख किया और कहा कि इससे एलएनजी का आयात प्रभावित हो रहा है।

सीईओ फोरम

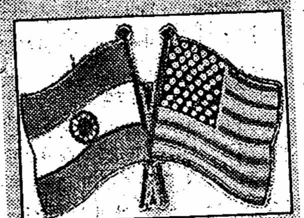

- पांच उद्योगपतियों को अपनी बात रखने के लिए मिला 18 मिनट का समय
- दीपक पारेख ने कही कारोबार में द्विपक्षीय सुगमता की बात
- सुनील मित्तल ने स्मार्ट सिटी पर रखे अपने विचार
- मुकेश अंबानी ने की कौशल विकास की बात

उल्लेखनीय है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अमेरिका से प्रतिस्पर्धी कीमत पर प्राकृतिक गैस की दीर्घकालिक आपूर्ति का आश्वासन चाहता है लेकिन अमेरिका उन देशों को तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति नहीं करता जिनके साथ उसका एफटीए नहीं है।

सर्राफ ने रूस व ईरान जैसे देशों में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध का मुद्दा भी उठाया। सूत्रों के अनुसार खुली परिचर्चा में कुमार मंगलम बिड़ला ने अमेरिका में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के समक्ष चुनौतियों को उठाया तथा महिंद्रा ग्रुप के प्रमुख आनंद महिंद्रा ने रक्षा व एकल खिड़की मंजूरी का मुद्दा सामने रखा।

आईसीआईसीआई की सीईओ चंदा कोचर ने अमेरिकी कर अपवंचना कानून व विदेशी खाता कर अनुपालन कानून (एफएटीसीए) के प्रावधानों सहित बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े कुछ अन्य मुद्दे उठाए। रिलायंस ग्रुप के प्रमुख अनिल अंबानी ने सौर ऊर्जा क्षेत्र में भारत-अमेरिका सहयोग की बात की तो एस्सार के शशि रुइया ने अमेरिका में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) संबंधी पहल पर विचार रखे।

इस बैठक की सह अध्यक्षता टाटा संस के साइरस मिस्त्री तथा हनीवेल के डेविड एम. कोटे ने की। इसमें भारत व अमेरिका की प्रमुख कंपनियों के अधिकारी शामिल हुए। फोरम में 17 सदस्यीय भारतीय दल में अडाणी ग्रुप के प्रमुख गौतम अडाणी, टॉरेंट फार्मा के सुधीर मेहता, एसबीआई प्रमुख अरुंधति भट्टाचार्य, भेल के प्रमुख बी. प्रसाद राव शामिल हैं।

अमेरिकी टीम में पेप्सिको की इंद्रा नूयी, मैकग्रा हिल फिनांशल के चेयरमैन हेराल्ड मैकग्रा व मास्टरकार्ड के सीईओ अजय बंगा शामिल थे।

Gov/n